भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्या: 2912**

**बुधवार, 21 मार्च, 2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत नए अवसर**

**अता.प्र.सं. 2912. श्री परिमल नथवानीः**

**क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम द्वारा उद्योगों के विकास के लिए सरकार की वचनबद्धता के संबंध में विश्वास का माहौल बनाकर उद्योग जगत के अग्रणियों को तैयार कर पाने की संभावना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या व्यापार करने की सहुलियत की दृष्टि से दुनिया भर के देशों की सूची में भारत के स्थान में गिरावट आई है;

(घ) यदि हां, तो क्या 'मेक इन इंडिया' अभियान व्यापार के नए अवसर खोलेगा; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**वाणिज्‍य और उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री सी. आर. चौधरी)**

**(क) और (ख):** ‘मेक इन इंडिया’ पहल की शुरूआत 25 सितंबर, 2014 को हुई थी। इसका उद्देश्‍य निवेश को सुगम बनाना, नवाचार को प्रोत्‍साहित करना, श्रेष्‍ठ विनिर्माण अवसंरचना उपलब्‍ध कराना, व्यवसाय को आसान बनाना और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। निम्‍नलिखित के तह‍त विशेष कार्रवाई के लिए 21 प्रमुख क्षेत्रों के लिए कार्रवाई योजनाओं की पहचान की गई है:-

 (i) नीतिगत पहल (ii) वित्‍तीय प्रोत्‍साहन (iii) अवसंरचना सृजन (iv) ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (v) नवाचार तथा अनुसंधान एवं विकास (vi) कौशल विकास ।

इसके अलावा, भारत सरकार का ‘ईज ऑफ डूइंग बिजनेस’ पहल के तहत उद्देश्‍य मौजूदा नियमों और प्रक्रियाओं को कारगर बनाकर तथा अनावश्‍यक अपेक्षाओं और प्रक्रियाओं को हटाकर अनुकूल वातावरण सृजित करना है। राज्‍य सरकारों और संघ राज्‍य क्षेत्र प्रशासनों की सक्रिय भागीदारी के माध्‍यम से न केवल केंद्र सरकार के मंत्रालयों में बल्कि राज्‍यों और संघ राज्‍य क्षेत्रों में भी विनियामक सुधारों की विस्‍तृत योजना को कार्यान्वित किया गया है।

**(ग) से (ङ):** जी, नहीं। 31 अक्‍टूबर, 2017 को जारी विश्‍व बैंक की पिछली डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में भारत का रैंक 30 स्‍थानों तक सुधर कर 100 हो गया है।

 निवेश को सुगम बनाने, नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने, अवसंरचना में सुधार, देश के युवाओं का कौशल बढ़ाने और विनियामक व्‍यवस्‍था को सरल बनाने से मेक इन इंडिया अभियान से व्‍यवसाय के नए अवसर उपलब्‍ध होंगे।

\*\*\*\*\*